सांध्य दैनिक

4PM

सुख और आनन्द ऐसे इत्र हैं, जिन्हें जितना अधिक दूसरों पर छिड़केंगे उतनी ही सुगंध आपके भीतर समाएगी।

–राल्फ वाल्डो इमर्सन

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 31 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 3 मार्च, 2022

पुतिन को युद्ध रोकने का नहीं... 8 | अंतिम दौर में चुनाव, मुफ्त राशन... 3 | जनता वोट की चोट से देगी... 7

सातवें चरण में ममता दीदी ने संभाला सपा का मैदान, बोलीं

मोदीजी मीटिंग छोड़ो, पहले यूक्रेन से छात्रों को लाओ

मोदी के गढ़ में गरजीं बंगाल की मुख्यमंत्री

वाराणसी में संयुक्त रैली से टेंशन में भाजपा

सपा ने पूर्वांचल में दिखाई अपनी सियासी ताकत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी ने आज बनारस में सपा गठबंधन की संयुक्त रैली में अखिलेश यादव को अपना छोटा भाई बताते हुए भाजपा पर शब्दों के जरिए बड़े प्रहार किए। उन्होंने कहा इस चुनाव में भाजपा की अकड़ निकल जाएगी। दीदी बोलीं मैं डरपोक नहीं हूं, लड़ाकू हूं। इन बीजेपी वालों ने मुझे बहुत डराया, धमकाया, गाली दिया, मगर मैं डरी नहीं, डटी रहीं। कल भी मैं गाड़ी से उतरकर भाजपाईयों के सामने खड़ी हो गईं। ममता बोलीं कि भाजपा की गुंडागर्दी हमारे सामने नहीं चलेगी। भाजपा को एक धक्का और दो, क्योंकि ये बहनों व माताओं का सम्मान नहीं करना जानते। किसानों का सम्मान नहीं करना जानते। लखीमपुर में भाजपा ने किसानों पर गाड़ी चढ़ा दिया और संगठन में अभी तक टेनी पर कार्रवाई नहीं।

ममता दीदी ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि यूक्रेन में युद्ध चल रहा और मोदीजी मीटिंग कर रहे, अरे चुनाव छोड़ो सबसे पहले देश के छात्रों को लाओ, उनके भविष्य को संवारों। मोदी को ललकारते हुए कहा चुनाव आता है तो मंदिर की बात करते हो। हिंदु-मुसलमान को बांटते हो। मगर मैं सबको साथ लेकर चलती हूं। हम पूजा-पाठ करते हैं, मगर दिखावा नहीं। उन्होंने कहा मोदी तुमने कहा था कि अच्छे दिन लाएंगे, अच्छे दिन के नाम पर किसान कुचले गए। बैंकें बेची जा रही। सब बेचा जा रहा। निजीकरण कर रहे, क्या यही है जनता का विश्वास। उन्होंने योगी को भी निशाने पर लिया, कहा अखिलेश लाओ, बाबा हटाओ तो ही प्रदेश का विकास होगा। रैली में सांसद जया बच्चन, ओमप्रकाश राजभर व जयंत चौधरी ने भी विचार रखे।

फोटो: सुमित कुमार

गठबंधन करेगा भाजपा का सफाया

जयंत चौधरी ने सभा में कहा फाइटर दीदी ने बंगाल में बीजेपी को हराया तो यहां गठबंधन भी भाजपा को खदेड़ कर रहेगा। उन्होंने कहा कि दिखावा तो बहुत हो रहा है पर धरातल पर हो कुछ नहीं रहा। पीएम मोदी ने यूक्रेन मुद्दे को लेकर बात तो छेड़ी लेकिन छात्र अभी तक सकुशल भारत नहीं आ सके, ये चिंता का विषय है, मगर प्रधानमंत्री चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं।

बनारस ही नहीं, पूरे पूर्वांचल में होगा खदेड़ा : अखिलेश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी इस रैली में कहा भाजपा ने वादा किया था कि उनकी सरकार बन जाएगी तो किसानों की आय दोगुनी कर देंगे लेकिन आज तक किसी किसान की आय दोगुनी नहीं हुई। किसानों को खाद नहीं मिली। खाद की बोरी से पांच किलो की चोरी हो गयी। इनकी सरकार दोबारा आ गयी तो ये दस किलो की चोरी करेंगे। पेट्रोल-डीजल और महंगा 200-300 कर देंगे। अखिलेश ने कहा छठे चरण में हो रहे मतदान में भी भाजपा का सफाया होगा। बनारस ही नहीं, पूरे पूर्वांचल में भाजपा का खदेड़ा होगा। पूर्वांचल की जनता इस बार बीजेपी को माफ नहीं करेगी। अखिलेश बोले हर चरण में गठबंधन को बढ़त मिल रही है। गठबंधन की सरकार बनने पर पूर्वांचल का तेजी से होगा विकास। उन्होंने कहा कोरोना काल में गंगा में लाशें बहाई गईं, ये लोग भूले नहीं है, जनता बदला जरूर लेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा का जो जितना बड़ा नेता है वह उतना बड़ा झूठ बोल रहे हैं। सबसे झूठी भाजपा है। झूठ बोलने में माहिर है भाजपाई।

सीएम योगी, लल्लू व राम गोविंद के भविष्य का फैसला आज

» प्रत्याशियों के माथे पर चिंता की लकीरें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। छठवें चरण का मतदान जारी है। दस जिलों के 57 सीटों पर सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ उनके सात मंत्रियों, नेता प्रतिपक्ष राम गोविंद चौधरी तथा बसपा विधायक दल के नेता उमाशंकर सिंह व कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू की प्रतिष्ठा दांव पर है।

इस चरण में 2.15 करोड़ मतदाता सीएम योगी, स्वामी प्रसाद मौर्या सहित 676 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। इनमें 66 महिला प्रत्याशी हैं। वर्ष 2017 में 57 सीट में 46 सीटों पर भाजपा का कब्जा था। 57 विधानसभा क्षेत्रों में एक बजे तक यानी छह घंटे में 36.33 प्रतिशत मतदान हुआ है। इसमें अम्बेडकरनगर में सर्वाधिक 40.60, कुशीनगर में 39.36 तथा बस्ती में 37.48 प्रतिशत मतदान हुआ। बलरामपुर में वोटिंग प्रतिशत रफ्तार नहीं पकड़ रहा है। यहां छह घंटे में 29.89 प्रतिशत लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। अम्बेडकरनगर में 40.60, बलिया में 36.39, बलरामपुर में 29.89, बस्ती में 37.48, देवरिया में 34.95, गोरखपुर में 36.63, कुशीनगर में 39.36, महराजगंज में 35.32, संतकबीर नगर में 34.42 तथा सिद्धार्थनगर में 36 प्रतिशत मतदान हुआ।

36.33 ▸ प्रतिशत मतदान एक बजे तक

मंत्री उपेंद्र तिवारी की दारोगा से बहस तो भाजपा प्रत्याशी केतकी सिंह पर धक्का-मुक्की का आरोप

मतदान के दौरान धूप तेज होते ही प्रत्याशी भी गरम हो रहे हैं। बागी धरती मानी जाने वाले बलिया में मतदान के दौरान मंत्री उपेन्द्र तिवारी की एक दारोगा से बहस हो गई। दारोगा के मतदान केन्द्र में टहलने से मना करने पर मंत्री काफी गरम हो गए। फेफना क्षेत्र के गड़वार बूथ पर मंत्री उपेन्द्र तिवारी को जब पुलिस ने रोका तो मंत्री की दारोगा से तीखी बहस होने लगी। उधर बलिया के ही बांसडीह से भाजपा-निषाद पार्टी की प्रत्याशी केतकी सिंह पर ससुर के साथ मतदाताओं से धक्का-मुक्की का आरोप है। केतकी का मुख्य मुकाबला नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी से है।

काले झंडे दिखाने पर बिफरीं ममता बोलीं भाजपा वालों तुम हार रहे हो

» हिंदु युवा वाहिनी ने दिखाया काला झंडा तो बोली डरती नहीं हूं मैं बीजेपी से, जनता लेंगी बदला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के लिए प्रचार करने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कल शाम बनारस पहुंचीं। लालबहादुर शास्त्री एयरपोर्ट पर उतरने के बाद ममता सीधे दशाश्वमेध घाट के लिए निकलीं। रास्ते में कुछ युवाओं ने दो स्थानों पर उन्हें काले झंडे दिखाए। चेतगंज में काला झंडा दिखाए जाने पर ममता बिफर पड़ीं। गाड़ी रोकवाई और सड़क पर उतर गईं। सामने आए समर्थकों को किनारे करते हुए कहा, काला झंडा दिखाना है तो सामने आकर दिखाओ भाजपा वालों।

तुम हार रहे हो और यह काला झंडा नहीं यह डर है तुम्हारा। माइक लेकर उन्होंने जय यूपी और जय हिंद का नारा भी लगाया। गोदौलिया पर भाजपा और हिंदु युवा वाहिनी ने काला झंडा दिखाया। पुलिस ने युवाओं को किनारे किया। ममता वापस जाओ और जय श्रीराम के नारे भी लगे। आरती देखने जब ममता दशाश्वमेध घाट पहुंचीं तो वहां भी विरोध प्रदर्शन जारी रहा। इसे लेकर सपा-भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच भिड़ंत भी हुई। ममता के विरोध के बाद समाजवादी पार्टी

के कार्यकर्ता गोदौलिया चौराहे पर भाजपा के खिलाफ प्रदर्शन करने लगे हैं। दोनों दलों के कार्यकर्ता आमने सामने आ गए। इसके बाद पुलिस बल बढ़ते हुए दोनों दल के कार्यकर्ताओं को मौके से हटाया गया। करीब 10 मिनट तक जयश्री राम और वापस जाओ के नारे लगते रहे और ममता वहीं खड़ी रहीं। इस दौरान ममता ने कहा कि हार के डर से ये सब हो रहा है, अब बिना हराए यहां से नहीं जाऊंगी। प्रदर्शनकारियों को रोकने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

भाजपा के बिगड़े हालात हैं, क्योंकि दीदी-भइया साथ हैं

बनारस में ममता बनर्जी के विरोध पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि भाजपा पश्चिम बंगाल में हुई हार के सदमे से अभी तक उबरी नहीं है। इसलिए ममता बनर्जी को बनारस में काले झंडे दिखा रही है। ये भाजपाइयों की हताशा का दूसरा रूप है, क्योंकि वे जानते हैं कि उप्र में भी बुरी तरह हार रहे हैं।

हताशा में हिंसा कर रहे विरोधी संयम नहीं खोना : माया

» समय कहीं जुमलेबाजी के चक्रव्यूह में न फंसा रह जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव 2022 के लिए छठे चरण का मतदान हो रहा है। इस बीच बसपा सुप्रीमो मायावती ने बसपा के कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संदेश दिया है। मायावती ने एक ट्वीट के जरिए विरोधियों पर हिंसा, अभद्रता और असभ्य आचरण का आरोप लगाते हुए अपने समर्थकों और जनता से संयम नहीं खोने की अपील की है।

मायावती ने अपने ट्वीट में लिखा यूपी में अब तक पांच चरण के मतदान में निराशा व हताशा के बाद विरोधी लोग अब हिंसा, अभद्रता व असभ्य आचरण आदि के हथकंडे पर उतर आए हैं, जिससे लोगों को अपना संयम नहीं खोना है बल्कि ऐसी पार्टियों को वोट की मार के जरिए अपनी मजबूत सरकार बनाने के मिशन में डटे रहना है। एक अन्य ट्वीट में बसपा सुप्रीमो ने लिखा यूपी के 10 जिलों की 57 विधानसभा सीटों पर आज की वोटिंग में भी अपने एक-एक वोट के मताधिकार से रोटी-रोजी व रोजगार-युक्त अच्छे दिन के लिए सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय की बीएसपी सरकार बनाना सुनिश्चित करें ताकि जातिवादी, संकीर्ण सोच व तानाशाही प्रवृति वाली सरकार से मुक्ति मिल सके। मायावती ने लोगों से महिला सम्मान और सुरक्षा के मुद्दे को केंद्र में रखकर मतदान करने की अपील की।

माफियाओं के खिलाफ चला बुलडोजर : स्वतंत्र देव सिंह

» सपा व बसपा ने सिर्फ प्रदेश में लूट खसोट की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि योगी की सरकार ने सभी वर्गों को महीने में दो बार राशन और गरीबों को आवास, बिजली, सड़क व हर घर में शौचालय बनवाने का कार्य किया है। इस बार उत्तर प्रदेश में अगर फिर सरकार बनती है तो दो करोड़ गरीबों को आवास, गरीब परिवार के बेटियों की शादी के लिये एक लाख रुपया व शिक्षित बालिकाओं को स्कूटी दिया जाएगा।

सातवें चरण को लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने जनता से अपील की कि योगी और मोदी की सरकार बनाने के लिए कमल पर मुहर लगाकर उनके हाथों को मजबूत कर उन्हें प्रदेश व देश में बैठाना है। उन्होंने कहा कि हमने अपने घोषणा पत्र में सभी गरीबों को जमीन और आवास देने की बात कही हैं। योगी का दो बुल्डोजर चलता है। पहला सड़क बनाने के लिए, जो गांव का सड़क बन कर तैयार हो जाता है। दूसरा माफियाओं द्वारा हड़पी गई जमीन को मुक्त कराने के लिए बुलडोजर चला है। अब उसी जमीन पर घर बनाकर गरीबों को दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीजेपी एक राष्ट्रवादी पार्टी है जो देश के बेहतर भविष्य को प्रयासरत है। भारत की नेतृत्व क्षमता मोदी के कारण पूरे विश्व में बढ़ी है। यूपी में पांच साल के अंदर कोई दंगा नहीं हुआ, कोई गुंडागर्दी नहीं हुई। स्वतंत्र देव बोले कि सपा ने सिर्फ प्रदेश में लूट खसोट की है। पहले पाकिस्तान से गुंडे आते थे बम पटककर चले जाते थे, अब हम पाकिस्तान में बम पटक कर आते हैं।

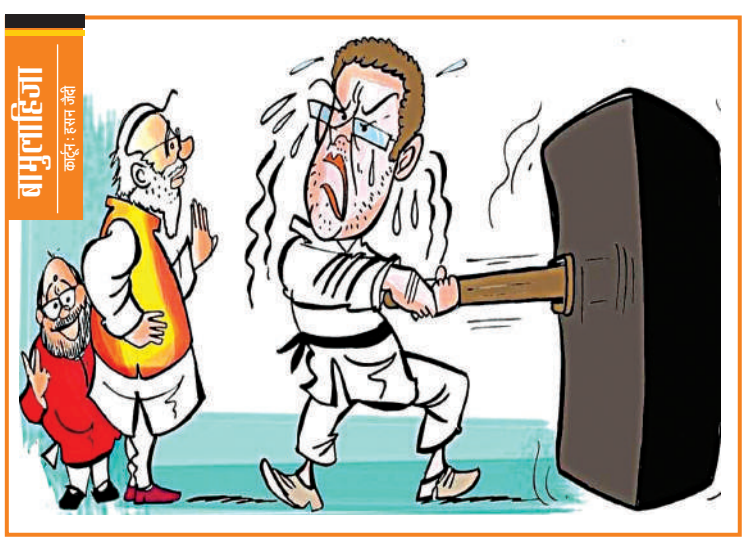

प्रयागराज में हंडिया के एक बूथ पर दोबारा वोटिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। यूपी विधानसभा चुनाव के लिए पांचवे चरण के मतदान के बाद आज हंडिया के मानिकपुर बूथ पर पुनर्मतदान हो रहा है। आज सुबह सात बजे से दोबारा मतदान शुरू हो गया है। कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान कराया जा रहा है। इस बूथ पर सुबह 11 बजे तक 24.48 प्रतिशत मतदान हो चुका है। मानिकपुर बूथ पर 1058 मतदाता है। 27 फरवरी को हुए मतदान के दिन बस्ता गायब होने कारण यहां पर पुनर्मतदान कराया जा रहा है। बूथ पर शाम छह बजे तक मतदान कराया जाएगा। 27 फरवरी को 12 विधानसभा के लिए 5080 बूथों पर मतदान कराया गया। सुबह सात से शाम छह बजे तक हंडिया विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 311 प्राइमरी विद्यालय मानिकपुर में मतदान हुआ। इस बूथ पर 1058 वोटर हैं। इसमें 545 पुरुष और 513 महिलाएं है। इसमें 287 पुरुषों और 343 महिलाओं ने मतदान किया। यहां पर पुरुषों से ज्यादा महिलाओं में मतदान प्रति उत्साह उस दिन दिखा था। मतों की गणना 10 मार्च को होगी। प्रेक्षक की निगरानी में मतदान हो रहा है।

आम आदमी पार्टी ही कर सकती यूपी का विकास : सभाजीत

» आप के प्रदेश अध्यक्ष ने बीजेपी पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी के प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश की बदहाली और खस्ताहाल को सिर्फ आम आदमी पार्टी की सरकार में ही सुधारा जा सकता है। आम आदमी पार्टी की सरकार ही उत्तर प्रदेश का सर्वांगीण उद्धार और विकास करेगी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने जिस तरह से दिल्ली के लोगों को बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित किया है।

उसी प्रकार उत्तर प्रदेश में भी सरकार बनने पर आम जनता की सुविधाओं और सहूलियत के लिए काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल मॉडल की पूरे

देश में चर्चा है, पार्टी की नीतियों से जनता भी खुश हैं। उत्तर प्रदेश की जनता दिल्ली की तर्ज पर यूपी में विकास चाहती है। उन्होंने कहा आम आदमी पार्टी की सरकार किसानों की सच्ची हितैषी है। साथ ही उत्तर प्रदेश में सरकार बनने पर किसानों के कल्याण और संपन्नता के लिए समर्पित होकर काम करेगी, जिस तरह से दिल्ली में आपकी सरकार ने आम जनता की समस्याओं की सुध लेते हुए उनके निस्तारण की व्यवस्था की है।

चुनाव परिणाम आने के पहले ही अयोध्या डीएम के आवास का बोर्ड भगवा रंग से हुआ हरा

» जिलाधिकारी ने पीडब्ल्यूडी के पाले में डाली गेंद

» सपा ने कहा- अधिकारी होते हैं मौसम वैज्ञानिक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अभी सातों चरणों का मतदान भी खत्म नहीं हुआ, लेकिन अयोध्या के जिलाधिकारी नीतीश कुमार के सरकारी आवास के बोर्ड का रंग भगवा से हरा हो गया। डीएम नीतीश का कहना है कि उन्हें इस बारे में कुछ नहीं मालूम है। लोक निर्माण विभाग यानी पीडब्ल्यूडी से बात करिए जबकि पीडब्ल्यूडी के अधिकारी बात करने को तैयार नहीं है। दरअसल 24 अक्टूबर 2021 को अयोध्या के तत्कालीन जिला अधिकारी अनुज कुमार झा का ट्रांसफर हुआ था।

उनके स्थानांतरण के पहले से ही अयोध्या जिलाधिकारी आवास का नए सिरे से निर्माण शुरू हुआ था। इसी कारण

जिलाधिकारी के आवास को लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में अस्थाई तौर पर स्थानांतरित कर दिया गया था। अयोध्या के मौजूदा जिलाधिकारी नीतीश कुमार ने जब से कार्यभार ग्रहण किया तब से उनका यही आवास और कैंप कार्यालय है। उस समय जिलाधिकारी के इस आवास के बाहर जो बोर्ड लगाया गया उसका रंग भगवा था और उस पर सफेद रंग से जिलाधिकारी आवास लिखा गया था, बुधवार को अचानक इसी बोर्ड को बदल दिया गया। अब हरे रंग के बोर्ड पर सफेद रंग से जिलाधिकारी आवास लिखा हुआ है। रंगों के इसी बदलाव के बीच सियासी चर्चा ने भी जोर पकड़ लिया है कि अचानक बोर्ड का रंग बदलने की पीछे की वजह क्या है?

बोर्ड का रंग बदलने के समय पर उठे सवाल

छठवें और सातवें चरण के विधानसभा सीटों पर एक-एक वोट को लेकर संघर्ष चल रहा है, ऐसे समय में अयोध्या जैसे चर्चित जनपद के जिलाधिकारी आवास के बोर्ड का रंग भगवा से हरा करना चर्चा का विषय बना हुआ है। समाजवादी पार्टी से जुड़े लोग इसके अलग सियासी मायने निकाल रहे हैं। इसके पीछे की सबसे बड़ी वजह झंडे के रंगों को आधार बताया जा रहा है, जिसमें भाजपा के झंडे में भगवा और सपा के झंडे का रंग हरा है। अयोध्या सदर से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी तेज नारायण पांडे ने कहा कि अधिकारी सबसे बड़े मौसम वैज्ञानिक होते हैं उन्हें पहले से पता लग जाता है कि कौन सरकार आ रही है और कौन सरकार जा रही है।

अंतिम दौर में चुनाव, मुफ्त राशन और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को धार दे रही भाजपा

» 2024 तक सभी को पक्का मकान देने का भी किया जा रहा वादा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव अब अपने अंतिम दौर में है। अब सातवें और अंतिम चरण का चुनाव शेष रह गया है। भाजपा ने पूर्वांचल में हो रहे चुनाव में मुफ्त राशन और अपराध मुक्त पूर्वांचल के मुद्दे को धार दिया है। पार्टी दोनों चरणों की 111 सीटों पर फतह के लिए स्थानीय मुद्दों के साथ सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के मुद्दे को भी आगे बढ़ा रही है।

सातवें और अंतिम चरण के चुनाव में राममंदिर और समान नागरिक संहिता को भी बनाया मुद्दा

भाजपा ने पश्चिम में मुजफ्फरनगर दंगा और कैराना के पलायन को आधार बनाते हुए कानून व्यवस्था में सुधार को मुद्दा बनाया था। वहीं पूर्वांचल में मुख्तार अंसारी और अतीक अहमद पर की गई कार्रवाई के जरिए पार्टी के नेता जनता को बताने की कोशिश कर रहे हैं कि योगी सरकार के कारण ही इस बार मुख्तार और अतीक चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। भाजपा ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण और जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद अब समान नागरिक संहिता लागू करने को भी मुद्दा बनाना शुरू कर दिया है। यही नहीं छठवें चरण के चुनाव से पूर्व पार्टी ने गोरखपुर क्षेत्र में विकास, दिमागी बुखार की बीमारी पर नियंत्रण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर निर्माण को मुद्दा बना रहे हैं। यूपी में भाजपा की सरकार बनने से ही समान नागरिक संहिता को भी लागू करने की राह आसान होगी। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने मुफ्त राशन वितरण को आगे भी जारी रखने का ऐलान कर दिया है। केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से दिए जा रहे डबल राशन को भी भाजपा ने मुद्दा बनाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कह चुके हैं कि राशन वितरण आगे भी जारी रहेगा। भाजपा के सभी नेता भी सभाओं में इसे प्रमुखता से उठा रहे है। पार्टी ने 2024 तक सभी वंचित परिवारों को आवास उपलब्ध कराने को भी मुद्दा बनाया है।

यूक्रेन से भारतीय नागरिकों की वापसी का मुद्दा भी गरमाया

भाजपा ने यूक्रेन में फंसे भारतीयों की सुरक्षित निकासी को भी मुद्दा बना लिया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि मोदी सरकार में देश सुरक्षित है और यूक्रेन में फंसे हर भारतीय को सुरक्षित बाहर निकाला जाएगा। ऑपरेशन गंगा के तहत लोगों को एयर लिफ्ट किया जा रहा है।

7वें चरण के लिए झोंकी ताकत

वाराणसी। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में सातवें चरण के मतदान से पहले भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 फरवरी को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुचेंगे। इस दौरान वे 5 फरवरी तक कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। जानकारी के मुताबिक, पीएम मोदी का रोड शो बनारस कैंट, बनारस उत्तर और बनारस दक्षिण सहित तीनों विधान सभा सीटों से गुजरेगा। प्रचार के आखिरी दिन यानी पांच मार्च को पीएम मोदी की राजातालाब में रैली होगी। भाजपा के लिए पूर्वांचल और खास तौर पर वाराणसी की सीटों की अहमियत काफी है। वाराणसी में रोड शो और कार्यक्रम के लिए बीजेपी ने पूरी तैयारी कर ली है। प्रधानमंत्री मोदी का संसदीय क्षेत्र होने की वजह से बीजेपी वाराणसी में कोई कोर-कसर छोड़ने के मूड में नहीं है। साल 2017 में वाराणसी जिले के 8 विधानसभा सीटों में से 6 पर भाजपा विजयी रही थी जबकि दो सीट उसके सहयोगी पार्टियों के खाते में गए थे। ऐसे में पीएम मोदी के गढ़ में इतिहास दोहराने का दबाव बीजेपी पर है। 7 मार्च को उत्तर प्रदेश के आखिरी चरण का चुनाव है। इस चरण में 9 जिलों की 54 सीटों पर मतदान होना है।

उत्तराखंड में प्रदेश भाजपा संगठन में बदलाव की सुगबुगाहट

किसी वरिष्ठ नेता को सौंपी जा सकती है जिम्मेदारी

प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक पर भितरघात का गंभीर आरोप

दिव्यभान श्रीवास्तव

देहरादून। विधान सभा चुनाव के परिणाम आने में भले ही आठ दिन का समय हो, लेकिन प्रदेश भाजपा संगठन में बदलाव की सुगबुगाहट महसूस होने लगी है। माना जा रहा कि प्रदेश संगठन की जिम्मेदारी गढ़वाल मंडल से किसी वरिष्ठ नेता को सौंपी जा सकती है। यदि भाजपा फिर से सत्ता में आती है तो वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक को सरकार में मंत्री बनाया जा सकता है। दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से हुई पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक की मुलाकात को इस कड़ी से जोड़कर देखा जा रहा है।

उधर, विधानसभा चुनाव में भितरघात की एक के बाद एक शिकायतों से असहज भाजपा 10 मार्च तक वेट एंड वाच की रणनीति पर चल रही है। यही कारण है कि इस विषय पर पार्टी फिलहाल चुप्पी साधे है। प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार में पिछले साल मार्च में नेतृत्व परिवर्तन हुआ था। तब तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत के स्थान पर गढ़वाल सांसद तीरथ सिंह रावत को मुख्यमंत्री बनाया गया। इसके साथ ही प्रदेश भाजपा संगठन में भी नेतृत्व परिवर्तन कर दिया गया। तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष बंशीधर भगत को सरकार में मंत्री बनाया गया और त्रिवेंद्र सरकार में मंत्री रहे मदन कौशिक को प्रदेश भाजपा की कमान सौंपी गई। ऐसे में कौशिक के सामने स्वयं को नई भूमिका में साबित करने की चुनौती थी।

नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चर्चा शुरू

अब जबकि पांचवीं विधानसभा के चुनाव के लिए मतदान हो चुका है और 10 मार्च को मतगणना होनी है तो प्रदेश संगठन में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। असल में कौशिक हरिद्वार जिले से आते हैं और वह हरिद्वार सीट से चुनाव मैदान में हैं। चुनाव के दौरान वह बड़े नेताओं की सभाओं में तो शामिल हुए, लेकिन ज्यादा समय उन्होंने अपने विधान सभा क्षेत्र में ही बिताया। इस बीच 14 फरवरी को मतदान के तुरंत बाद हरिद्वार जिले से ही चुनाव में भितरघात की बात मुखर हुई। तब लक्सर से भाजपा प्रत्याशी एवं विधायक संजय गुप्ता ने प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक पर ही भितरघात का गंभीर आरोप लगाया था। पार्टी ने इस प्रकरण का संज्ञान लिया है, लेकिन अभी कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

सरकार बनने पर मदन कौशिक बन सकते हैं मंत्री

चर्चा है कि कौशिक के चुनाव जीतने और प्रदेश में फिर से भाजपा की सरकार बनने की स्थिति में उन्हें मंत्री बनाया जा सकता है। यदि परिस्थितियां अनुकूल रहीं तो संगठन में क्षेत्रीय संतुलन साधा जाएगा। मुख्यमंत्री कुमाऊं से होंगे तो गढ़वाल मंडल से किसी वरिष्ठ नेता को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इसके लिए एक व्यक्ति एक पद के सिद्धांत का हवाला भी दिया जा सकता है। इस बीच भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार से सांसद रमेश पोखरियाल निशंक को दिल्ली बुलाए जाने को भी प्रदेश भाजपा संगठन में फेरबदल के तौर पर देखा जा रहा है। माना जा रहा कि 10 मार्च को मतगणना के बाद या इससे पहले प्रदेश भाजपा में नेतृत्व परिवर्तन हो सकता है।

भितरघात की शिकायतों पर 10 के बाद कार्रवाई

मतदान संपन्न होने के बाद से भाजपा के कुछ विधायकों की ओर से भितरघात के आरोप सामने आ रहे हैं। एक मंत्री व चार विधायक अपनी-अपनी सीटों पर भितरघात के आरोप लगा चुके हैं। विधायक संजय गुप्ता से यह सिलसिला शुरू हुआ था। इसके बाद विधायक कैलाश गहतौड़ी, हरभन सिंह चीमा व केदार सिंह रावत और कैबिनेट मंत्री बिशन सिंह चुफाल ने अपनी-अपनी सीटों पर भितरघात के लिए किसी का नाम तो नहीं लिया, लेकिन नाराजगी खुलकर जाहिर की। अब वर्ष 2009 में लोक सभा की हरिद्वार सीट से भाजपा प्रत्याशी रहे जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यतींद्रानंद गिरी ने वीडियो जारी कर प्रदेश भाजपा संगठन की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी जाहिर की है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने कहा कि भितरघात को लेकर यदि लिखित में कोई शिकायत मिलती है तो उसकी जांच कराई जाएगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और महंगाई

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। इसकी कीमत 110.23 डॉलर प्रति बैरल हो गयी है। यह पिछले सात सालों में सबसे अधिक है। जुलाई 2014 में कच्चे तेल की कीमत पहली बार 110 डॉलर प्रति बैरल पहुंची थी। जाहिर है इसका असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा और आने वाले दिनों में महंगाई और बढ़ेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि पांच राज्यों के चुनाव परिणाम आने के बाद पेट्रोल और डीजल के दामों में इजाफा होगा। सवाल यह है कि क्या महंगाई के आगे सरकार ने हाथ खड़े कर दिए हैं? क्या तेल कंपनियों को मनमानी करने की छूट दी जा सकती है? क्या संभावित तेल कीमतों की वृद्धि पर नियंत्रण को सरकार ने कोई रणनीति तैयार की है? क्या कोरोना काल में रोजी-रोटी के लिए संघर्ष कर रही गरीब जनता को महंगाई की एक और चोट घुटनों पर नहीं ला देगी? बाजार में संतुलन स्थापित किए बिना महंगाई पर नियंत्रण कैसे लगाया जा सकेगा?

देश पिछले दो सालों से कोरोना से जूझ रहा है। फिलहाल वह तीसरी लहर से उबर रहा है। इस दौरान देश के कई करोड़ लोग प्रभावित हुए हैं। लाखों लोगों की रोजी-रोटी छिन चुकी है। कई लघु और मध्यम उद्योग-धंधे ठप पड़ गए हैं। इसके चलते इन उद्योगों से जुड़े लोग बेरोजगार हो चुके हैं। गरीबों की हालत और भी खराब हो चुकी है। गरीबों को राहत देने के लिए सरकार निशुल्क राशन का वितरण कर रही है। बावजूद इसके हालात लगातार बिगड़ रहे हैं। रोजगार के नए साधनों का विकास नहीं होने के कारण लोगों को रोजगार नहीं मिल पा रहा है। हालत यह है कि भारी संख्या में मध्यमवर्ग के लोग गरीबी रेखा के नीचे चले गए हैं। तेल के बढ़े दामों का असर खाद्य वस्तुओं पर भी पड़ा है। ढुलाई महंगी होने के कारण इनके दामों में इजाफा हुआ है। अब जब तेल के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं तो भारत में भी इसका प्रभाव पड़ना तय है क्योंकि कंपनियां तेल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार के आधार पर तय करती हैं। यही वजह है कि चुनाव के बाद इसके दामों में इजाफे की आशंका जताई जा रही है। जाहिर है स्थितियां और भी बिगड़ सकती हैं। सरकार को इस समस्या से निपटने के लिए ठोक कार्ययोजना बनानी होगी। यदि सरकार महंगाई पर लगाम लगाना चाहती है तो उसे न केवल लघु और मध्यम उद्योगों को आर्थिक पैकेज देकर उनको फिर से शुरू करना होगा बल्कि नए रोजगार के साधन भी खोजने होंगे। साथ ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर लगाम लगाने के लिए अपने करों में कटौती करनी होगी। रोजगार के बिना क्रय शक्ति नहीं बढ़ेगी और बाजार की हालत और भी खराब हो जाएगी।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। इसकी कीमत 110.23 डॉलर प्रति बैरल हो गयी है। यह पिछले सात सालों में सबसे अधिक है। जुलाई 2014 में कच्चे तेल की कीमत पहली बार 110 डॉलर प्रति बैरल पहुंची थी। जाहिर है इसका असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा और आने वाले दिनों में महंगाई और बढ़ेगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

गरीब कब तक बने रहें वोट बैंक

उमेश चतुर्वेदी

मौजूदा विधान सभा चुनावों के दौरान आर्थिक रूप से खुशहाल राज्य पंजाब हो या पिछड़ा उत्तर प्रदेश, एक कॉमन तथ्य की तरफ ध्यान गया। उम्मीदवार और उनके समर्थक जिन जगहों को थोक वोट बैंक का केंद्र बता रहे थे, संयोग से वे झुग्गियां थीं या घनी बस्तियां। यहां सामान्य कालोनियों और इलाकों की तुलना में ज्यादा जनसंख्या निवास करती है। ये लोग आर्थिक रूप से निचले पायदान पर खड़े हैं। भारतीय लोकतंत्र में एक स्पष्ट धारणा है। यहां वोट बिकता है, कुछ पैसों के दम पर इनके वोट का सौदा किया जा सकता है। तो, क्या मान लिया जाए कि गरीबी ऐसी सीढ़ी है, जिसके जरिये राजनीतिक दल सत्ता की ऊंचाई हासिल करते हैं?

आजादी के पहले हुए केंद्रीय असेंबली या फिर राज्यों की सभाओं के चुनाव, 1937 में हुए आठ राज्यों के चुनाव या फिर आजादी के बाद से अब तक के सभी चुनावों में हर बार किसान, मजदूर और बेरोजगार मुद्दा रहा, यानी हर चुनाव में गरीब और गरीबी मुद्दा बना। इन वर्गों की हालत सुधारने का वादा होता रहा है। अब तक जितनी सरकारें बनी हैं, सभी ने इन वर्गों की स्थिति सुधारने का वादा किया। इन्हें राजनीतिक दल थोक वोट बैंक के रूप में देखते रहे हैं। आजादी का अमृत वर्ष मनाया जा रहा है। बीते 75 वर्षों में देश ने अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। आर्थिक, सैन्य, शैक्षणिक आदि मोर्चों पर देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन इन उपलब्धियों को गरीबी और मलिन बस्तियां मुंह चिढ़ाती रही हैं। अव्वल तो इन्हें पूरी तरह खत्म करने की कोशिश होनी चाहिए थी, लेकिन उल्टे राजनीतिक दलों ने इस वर्ग को थोक वोट बैंक के तौर पर स्थापित कर दिया जिन्होंने मलिन बस्तियों पर कब्जा कर लिया, चुनाव उसकी मुट्ठी में आ गया। नये-पुराने सभी दल मलिन बस्तियों को थोक वोट बैंक के तौर पर ही देखते हैं। सवाल है कि क्या राज्य चलानेवाला राजनीतिक तंत्र जानबूझकर मलिन और गझिन बस्तियों के समाज को सिर्फ वोट बैंक ही बनाये रखना चाहता है? हालातों से तो ऐसा ही लगता है। संविधान के नीति निर्देशक तत्वों में राज्य से अपेक्षा की गयी है कि वह अपने नागरिकों के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक उत्थान के लिए काम करेगा। नीति निर्देशक तत्वों को लेकर राजनीतिक दलों की नैतिक जवाबदेही तो है, लेकिन वैधानिक जवाबदेही नहीं है।

संविधान सभा में चर्चा के वक्त कई सदस्यों का मानना था कि इन्हें लागू करने के लिए राज्य को जवाबदेह बनाया जाए। हालांकि, संविधान सभा ने इस राय को खारिज कर दिया। चूंकि, तब आजादी के आंदोलन की तपिश बाकी थी इसलिए माना गया कि राज्य और उसे चलानेवाले राजनीतिक दल देश की तस्वीर बदलने के लिए काम जरूर करेंगे। हालांकि, ऐसा नहीं हो पाया। संविधान सभा ने समान और वयस्क मतदान के अधिकार को लोकतंत्र की बुनियाद के रूप में स्वीकार किया। भारत के आसपास कई उपनिवेशों ने आजादी हासिल की, लेकिन वहां लोकतंत्र की जड़ें भारत जितनी गहरी नहीं हुईं। वोट तंत्र के लिए यह आम धारणा है कि ज्यादा पढ़ा-लिखा या आर्थिक रूप से खाया-अघाया वर्ग मतदान में उस उत्साह से भागीदारी नहीं करता, जितना कम पढ़ा-लिखा और आर्थिक रूप से कमजोर तबका करता है। इसकी बड़ी वजह है कि हाड़तोड़ मेहनत करनेवाले कमजोर तबके की आंखें हर वक्त सुनहरे भविष्य की कल्पना से भरी रहती हैं। मतदान का मौका उन्हें इन सपनों की तरफ बढ़ने की सीढ़ी लगता है, इसलिए वे इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर होती है, तो हो सकता है कि चंद रुपये का लालच उन पर भारी पड़ जाता हो, लेकिन यह भी सच है कि अगर वे थोक वोट बैंक बनने को मजबूर हैं, तो इसकी वजह उनकी हालत और उस हालत को बदलने के लिए देखे जानेवाले सपने हैं। ज्यादातर सरकारों के गठन के पीछे जो समर्थन होता है, उसका सबसे बड़ा आधार आर्थिक या शैक्षिक रूप से वंचित वर्ग का वोट होता है। चुनावों के बाद ज्यादातर फायदा उस वर्ग को मिलता रहा है, जिसकी मतदान में भूमिका कम रही है। गलती वंचित वर्ग की भी है, जिसने हर बार खुद को वोट बैंक बनने दिया। आजादी के अमृत वर्ष में भारतीय लोकतंत्र को इस सवाल से जूझना होगा कि आखिर वे कौन से विचार हैं, जो वंचित समुदायों, मलिन और गंदी बस्तियों के लोगों को वोट बैंक बनने को मजबूर करते रहे हैं? बहुमत की बुनियाद बनने वाले कब तक इस्तेमाल होते रहेंगे? इस सवाल का भी जवाब ढूंढ़ना होगा कि क्या राजनीतिक तंत्र ने जानबूझकर मलिन और गंदी बस्तियों और उनमें रहने वालों को यथास्थिति में रहने दिया।

यूक्रेन पर रूसी हमला और अमेरिका

जे सुशील

यूक्रेन में हो रहे रूसी हमलों और अमेरिकी विदेश नीति को कई संदर्भों में देखा और समझा जा सकता है। युद्ध की विभीषिकाओं से बचने और 'जिसकी लाठी उसकी भैंस' जैसी कहावतों से इतर अगर रूस, यूक्रेन और यूरोप में नाटो के जरिये अमेरिकी संलिप्तता पर नजर डालें, तो इस मुद्दे पर अमेरिकी नीति को बेहतर ढंग से समझा जा सकता है। यूक्रेन और रूस का आधुनिक इतिहास सौ साल से अधिक पुराना है, लेकिन नब्बे के दशक में सोवियत संघ के विघटन के बाद दोनों देशों के संबंधों में तेजी से बदलाव हुए हैं, जिसका परिणाम आज हम यूक्रेन पर रूसी हमले के रूप में देख रहे हैं। पिछले कुछ सालों पर गौर करें तो रूस ने 2008 में जॉर्जिया पर हमला किया था और उसके बाद 2014 में यूक्रेन के क्रीमिया प्रांत को अपने कब्जे में ले लिया था।

यूक्रेन से सटे बेलारूस पर रूस का खासा प्रभाव है और इस संघर्ष में बेलारूस उसके साथ है। यह सर्वविदित है कि रूस के अनुसार सोवियत संघ के विघटन के बाद अमेरिका ने नाटो के जरिये रूस को घेरने की हर संभव कोशिश की है। सोवियत संघ के विघटन के बाद उससे अलग होकर बने देशों और सोवियत प्रभाव वाले पूर्वी यूरोपीय देशों को नाटो में शामिल किया गया है, जिसे रूस खतरे के रूप में देखता है। 2020 में जब से नाटो ने यूक्रेन को सदस्य बनाने की प्रक्रिया शुरू की है, तब से रूस खासा नाराज है। अमेरिकी विदेश नीति सोवियत संघ के विघटन के साथ ही शीत युद्ध खत्म होने के बाद भी रूस को सीमित करने की रही है और इसके लिए नाटो का इस्तेमाल किया जाता रहा है। बाल्कन क्षेत्र में नाटो की सक्रियता पूरी दुनिया ने देखी है, लेकिन रूस के मामले में क्या नाटो हथियारों का प्रयोग करेगा, इस पर अमेरिकी नीति स्पष्ट है। उसने साफ कर दिया है कि उसकी सेना यूक्रेन की लड़ाई में हिस्सा नहीं लेगी बल्कि नाटो देशों की रक्षा करेगी। सामान्य शब्दों में कहें तो अगर रूसी सेना किसी नाटो सदस्य देश पर हमलावर होती है, तो अमेरिकी सेना उसकी रक्षा में उतरेगी। चूंकि यूक्रेन अभी नाटो में नहीं है तो यूक्रेन पर हमले के खिलाफ नाटो सेनाओं के सक्रिय होने की संभावना कम है। यही कारण है कि अमेरिका और उसके सहयोगी देश फिलहाल आर्थिक प्रतिबंध लगा रहे हैं, जिनका बहुत अधिक असर रूस पर होनेवाला नहीं है। 2014 में क्रीमिया संघर्ष के दौरान फ्रांस और जर्मनी ने बीच-बचाव कर समझौता कराया था और बहुत संभव है कि इस बार भी जर्मनी और फ्रांस ही दोनों पक्षों के बीच शांति वार्ताओं को नतीजे पर पहुंचाए। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर अमेरिका को अभी रूस को घेरने की क्या जरूरत आन पड़ी? अगर नाटो के विस्तार को कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया जाए तो भी मामला टल सकता था, लेकिन राष्ट्रपति बाइडेन ने मामले को तूल देने की जरूरत क्यों समझी है, वह भी तब, जब दुनिया कोविड से उबर ही रही है। यह एक टेढ़ा सवाल है और इसके जवाब में अनुमान ही लगाया जा सकता है। पिछले साल ही अमेरिका ने अफगानिस्तान से अपने सैनिकों को वापस बुलाया है। इसके बाद अमेरिका के पास एशिया और उसके आसपास कोई बहुत बड़ी सैन्य मौजूदगी नहीं है। यह इलाका सैन्य रूप से उनके प्रभाव क्षेत्र से लगभग मुक्त है। दूसरी तरफ, रूस के पास मौजूद अकूत तेल और प्राकृतिक गैस के भंडार भी अमेरिका के लिए सिरदर्द साबित हो सकते हैं। इन सबके बीच राष्ट्रपति पुतिन की नीतियां भी अमेरिकी हितों से इतर हैं। रूस ने भले ही अफगानिस्तान में अमेरिकी हमले को समर्थन दिया था, मगर पिछले दस सालों में रूस ने धीरे-धीरे इस रुख से किनारा कर लिया। पुतिन की सत्ता में वापसी के बाद रूस ने एडवर्ड स्नोडन को न केवल पनाह दी बल्कि उसे लौटाने की राष्ट्रपति ओबामा की अपील को भी ठुकरा दिया।साल 2014 के क्रीमिया संघर्ष के बाद रूस ने सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल असद का पूरा समर्थन किया, जहां अमेरिकी विमानों ने कई हमले किये थे। 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को भी प्रभावित करने की कोशिश की। इन सबके कारण दोनों देशों के संबंध खराब होते चले गये।

राष्ट्रपति ट्रंप के समय नाटो का विस्तार रुका रहा था तो दोनों देशों के बीच शांति बनी रही। कोविड की रोकथाम और अफगानिस्तान से सैनिकों की वापसी के बाद अमेरिका एक बार फिर नाटो के जरिये अपना प्रभाव बढ़ाने की पुरानी रणनीति पर काम कर रहा है। इसके जवाब में राष्ट्रपति पुतिन ने भी दो ध्रुवीय दुनिया वाली रणनीति अपनायी है। इस समय चीन और पाकिस्तान जैसे देश रूस के साथ खड़े हैं जबकि भारत ने अमेरिका और रूस के बीच शुरू हुए इस तनाव में अपनी भूमिका को सीमित रखा है। शीत युद्ध की समाप्ति के बाद लंबे समय तक अमेरिका पूरी दुनिया में एकमात्र सुपरपावर के रूप में उभर कर सामने आया था और यह स्थिति कोई दो दशक तक बनी रही, जब अमेरिका ने इराक, लीबिया, अफगानिस्तान में कार्रवाइयां कीं, लेकिन पिछले कुछ समय में स्थिति धीरे-धीरे बदली है। एक तरफ जहां चीन एक बड़ी ताकत के रूप में उभरा है, वहीं रूस ने भी नाटो के प्रसार को लेकर नाराजगी जतायी है लेकिन जो बाइडेन पुरानी विदेश नीति का अनुसरण कर रहे हैं, जहां उनके लिए नाटो के जरिये अमेरिकी प्रभाव को बढ़ाना आसान लग रहा है।

यदि अक्सर बनी रहती है थकान तो अपनाएं ये उपाय

आज के समय में इंसान की लाइफ इतनी व्यस्त हो गई है कि खुद के लिए थोड़ा भी टाइम निकाल पाना बेहद मुश्किल हो गया है। परिणाम स्वरूप तरह-तरह की समस्याएं जन्म ले रहीं हैं। सुबह जल्दी उठने से लेकर रात में देर से सोने तक सुकून से बैठना मुश्किल हो गया हैं जिसकी वजह से ना तो शारीरिक आराम मिल पाता है और ना ही मानसिक। दिन भर काम करने के बाद जब आदमी घर आता है, तो अपने आपको बेहद थका हुआ महसूस करता है। थकान लगातार होने की वजह से शरीर कमजोर होने लगता है। और फिर इंसान चिड़चिड़ा हो जाता है, लेकिन कुछ छोटी-छोटी चीजों पर ध्यान रखते हुए आप अपने आप को इस बिज़ी शेड्यूल में एक्टिव और स्वस्थ रख सकते हैं।

अधिक पानी पिएं

अक्सर लोग ज्यादा पानी पीने से कतराते हैं। बेशक ज्यादा पानी पीने से बार-बार वॉशरूम जाना पड़ता है। लेकिन इससे आपके शरीर का टॉक्सिन भी बाहर होता है। लेकिन इससे बचने के लिए लोग कम से कम पानी पीते हैं। ऐसा करना आपके शरीर के लिए बेहद हानिकारक है। ये बात हमेशा ध्यान में रखें आप चाहे ऑफिस में हों या फिर घर पर पर्याप्त पानी पीने से आपका शरीर स्वस्थ और एक्टिव रहेगा।

हेल्दी फूड खाएं

हमारे शरीर को स्वस्थ रहने के लिए हेल्दी फूड की जरूरत होती है। लेकिन हम पौष्टिक खाने के बदले बाजार में मिलने वाला उल्टा-सीधा खाना पसंद करते हैं। जिससे हमारे शरीर में थकान और कमजोरी बढ़ जाती है। वहीं अगर आप हेल्दी फूड, हरी पत्तेदार सब्जी और प्रोटीन युक्त खाना खाएंगे तो आप तंदुरुस्त रहेंगे।

मोबाइल को छोड़कर भरपूर नींद लें

अक्सर यह देखने में आया है कि दिनभर वर्क लोड होने के कारण इंसान बिज़ी रहता है, लेकिन रात में जैसे ही बिस्तर पर जाते हैं मोबाइल चलाने लग जाते हैं। मोबाइल चलाते-चलाते समय कितना निकल जाता है पता ही नहीं चलता। कोशिश करें रात में सोते समय मोबाइल को दूर ही रखें और पर्याप्त 7 से 8 घंटे की नींद लें। जिससे आप कई सारी बीमारियों से बच सकते हैं।

लगातार काम न करें

ऑफिस हो या घर लंबी सिटिंग के साथ काम करना आपके शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को प्रभावित करता है। इसलिए काम के दौरान बीच-बीच में ब्रेक लेते रहें, और अपनी बॉडी को स्ट्रेच करते रहें। इससे आपकी बॉडी में अकड़न जकड़न नहीं होगी साथ ही आप एक्टिव रहेंगे।

नियमित व्यायाम करें

अगर आपको दिन भर एक्टिव रहना है तो नियमित रूप से व्यायाम करना बेहद जरूरी है। प्रतिदिन एक घंटा व्यायाम करने से ना सिर्फ आप दिन में थकेंगे बल्कि आप स्वस्थ भी रहेंगे।

हंसना मना है

आजकल घर में पत्नी भी बात-बात पर GST बोलने लगी है। घर में कैसी भी बहस चल रही हो वो एक शब्द बोलकर बात खत्म कर देती है। एक दिन मैंने पूछ डाला-ये तुम बात करते-करते बीच में ही GST क्यों कहती हो? इसका क्या मतलब है? पत्नी: G – गलती S – सिर्फ T – तुम्हारी है।

पत्नी बादाम खा रही थी ! पति बोला मुझे भी टेस्ट कराओ। पत्नी ने एक बादाम दे दिया पति- बस एक पत्नी हां, बाकी सबका ऐसा ही टेस्ट है।

कौन बनेगा करोड़पति में मुझसे 5 करोड़ का सवाल पूछा गया, आपकी नजर में दुनिया की सबसे खतरनाक महिला कौन है? कसम से मैंने 5 करोड़ को ठोकर मार दी पर नाम नहीं बताया क्यों कि शाम को घर भी जाना था।

पत्नी मेरी ये समझ में नहीं आता कि कई साल से मैं करवा चौथ का व्रत नहीं रख रही, फिर भी तुम अच्छे खासे कैसे बने हुए हो? पति- मैं बहुत नियम संयम से रहता हूं इसीलिए। पत्नी- मुझे बेवकूफ समझ रखा है क्या ? सच सच बताओ वह कौन है? जो तुम्हारे लिए करवा चौथ का व्रत रखती है।

पत्नी : सुनो, आजकल चोरियां बहुत होने लगी हैं। धोबी ने हमारे दो तौलिया चुरा लिए हैं। पति : कौन से तौलिये? पत्नी : अरे! वही जो हम मनाली के होटल से उठाकर लाए थे।

कहानी — कंजूस राजा

बहुत समय पहले की बात है। किसी राज्य में एक कंजूस राजा रहता था। वह किसी को कुछ न देता। हां, नाराज होता तो दंड अवश्य देता। एक बार राजा की इच्छा पुराण सुनने की हुई। एक ब्राह्मण को पता चला तो वह राजा के पास गया और कहा, महाराज, मैं आपको पुराण सुनाऊंगा। ब्राह्मण को भ्रम था कि राजा उसको काफी धन देगा। राजा ने कहा, मुझे तुम्हारा प्रस्ताव स्वीकार है। ब्राह्मण एक वर्ष तक निरंतर पुराण सुनाने के लिए राजभवन जाता रहा। जब कार्यक्रम समाप्त होने को आया तो ब्राह्मण ने कहा, महाराज, अब हमें शांति पाठ करना चाहिए। राजा पूजा के समय महल में आकर बैठ गया। साथ में न पूजा की सामग्री थी न दान दक्षिणा। पूजा की सारी व्यवस्था ब्राह्मण ने खुद की। जब पूजा समाप्त हुई तो ब्राह्मण ने राजा से दक्षिणा मांगी। राजा ने मंत्री को बुलाकर कहा, पंडित जी को खजाने से तीन रुपये दे दो। पंडित आश्चर्यचकित रह गया। बेचारे ने एक वर्ष घर-बार छोड़कर अपने खर्च से पुराण कथा की थी। उसके पास जो कुछ धन था, वह सब भी खर्च हो गया था। पूजा-पाठ का सामान भी अपने पैसों से लाया था। इतना सब कुछ करने के बाद राजा सिर्फ तीन रुपये दे रहा था। ब्राह्मण यह सोचकर बड़ा दुखी हुआ, 'घर में बाल-बच्चों का क्या होगा?' पर कोई चारा न देख ब्राह्मण तीन रुपये लेने मंत्री के साथ खजांची के पास गया। खजांची ने ब्राह्मण से कहा, पंडित जी अब तो खजाना बंद हो गया है अगर अब मैं खजाना खोलूंगा तो मुझे एक रुपया देना होगा। ब्राह्मण हैरान रह गया। पर उसने कहा ठीक है। खजांची दो रुपये ब्राह्मण के हाथ में रखने लगा तो मंत्री ने कहा, देखिए पंडित जी, मैं आपको यहां तक लेकर आया। खजांची से रुपये दिलवाए। इस कार्य के लिए आपको मुझे एक रुपया देना होगा। एक रुपया मंत्री को देकर अपनी तकदीर को कोसता हुआ ब्राह्मण राजमहल पहुंचा। अपनी गरीबी तथा राजा के व्यवहार के बारे में सोचते-सोचते वह बहुत दुखी हो रहा था। सामने एक छुरी रखी थी। ब्राह्मण ने छुरी से अपने आपको मारने का प्रयत्न किया। रानी ने भवन की खिड़की से यह सबकुछ देख लिया और उसने ब्राह्मण को अपने पास बुलाकर सब बातें पूछीं, फिर कहा, महाराज, आप ब्राह्मण हैं। आपको आत्महत्या करना शोभा नहीं देता। रानी ने ब्राह्मण को कुछ धन दिया और कहा कि इसे अपने घर भिजवा दीजिए। इससे ब्राह्मण बहुत खुश हुआ फिर रानी ने ब्राह्मण से कहा कि आप थोड़ी देर यहीं ठहरें। रानी कुछ देर बाद वापस आई और ब्राह्मण को एक आंख जैसी आकार की वस्तु दी। और कहा, अब आप इसे लेकर दरबार में जाएं। आपको अपने प्रश्न का उत्तर मिल जाएगा। दरबार में आप इस पत्थर की आंख को अपने नेत्रों पर लगाकर देखिएगा। ब्राह्मण नेत्र की आकृति वाले पत्थर को लेकर दरबार में चला गया। उसन वैसा ही किया जैसा रानी ने कहा था। उसने देखा, सिंहासन पर राजा के स्थान पर भयंकर राक्षस बैठा था। और इसी तरह दरबारियों के स्थान पर अनेक छोटे राक्षस दिखाई दिए। इस दृश्य को देखकर ब्राह्मण बहुत डरा और तुरंत वापस चला गया। उसे यूं लौटता देखकर रानी हंस पड़ी। उसने कहा, ब्राह्मण देवता आपने देख लिया न, राजदरबार में बैठे सभी लोग सच्चे मनुष्य नहीं हैं। वे मनुष्य के रूप में दानव हैं। उनमें मानवता नहीं है। उनमें दया, धर्म, सत्य अहिंसा लेशमात्र भी नहीं है। उन्हें मनुष्य कैसे कहा जाए? इसलिए आप अधिक परेशान न हों, शांत मन से घर जाइए। इतना कह कर रानी ने ब्राह्मण को धन-संपत्ति देकर आदरपूर्वक विदा किया।

8 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

पार्टनर की कोई बात आपको परेशान कर सकती है। इससे आपको मानसिक तनाव हो सकता है। अपनी इच्छाओं को अपने तक सीमत रखें, पार्टनर पर थोपने से रिश्ते खराब हो सकते हैं।

वृषभ

पार्टनर को लेकर किसी के साथ विवाद हो सकता है। प्रेम संबंधों में किसी भी तरह का कोई बड़ा फैसला ना लें। पार्टनर के साथ बाहर घूमने जा सकते हैं। आज आपके खर्चे बढ़ सकते हैं।

मिथुन

पार्टनर को खुश करने के लिए उपहार दिया जा सकता है। खर्चे बढ़ने से, आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है। आज के दिन आपकी लव लाइफ में अच्छा तालमेल रहेगा।

कर्क

आज सिंगल लोगों की किसी खास इंसान से मुलाकात हो सकती है। पति-पत्नी के बीच आपसी सहयोग बना रहेगा। पार्टनर की भावनाओं को समझने की कोशिश करें।

सिंह

जीवनसाथी से सोच-समझकर मजाक करें। पत्नी के साथ मांगलिक कार्यक्रम में जा सकते हैं। आज आपके प्रेमी के साथ रिश्तें मधुर होंगे। पार्टनर की कुछ बातें इग्नोर करनी होंगी।

कन्या

जीवनसाथी की वजह से आपकी कोई योजना या कार्य गड़बड़ हो सकता है लेकिन धैर्य बनाए रखें। आज प्रेम संबंधों को सुधारने का प्रयास करें, आपको सफलता मिल सकती है।

तुला

आपको आसपास के लोगों से सहयोग मिलेगा। पार्टनर आपकी भावना समझेगा। आज पति-पत्नी के बीच तालमेल ठीक रहेगा। पार्टनर से आपको खुशखबरी मिल सकती है।

वृश्चिक

आज लव लाइफ को लेकर कोई बड़ा फैसला ना लें। आज किसी कारण से मानसिक तनाव हो सकता है। पार्टनर को लेकर मन में नकारात्मक ख्याल आ सकते हैं।

धनु

पति-पत्नी में अपनी बात मनावाने को लेकर बहस या विवाद जैसी स्थिति भी बन सकती है। कोई बाहरी व्यक्ति जिंदगी में दखल दे सकता है। एक्स्ट्रा मेरिटल अफेयर होने की संभावना है।

मकर

आप शांत होकर विचार करें और अपने काम पर ध्यान दे। किसी दुर्घटना कि वजह से चोट न लगे इसका खास ध्यान रखें। कारोबारी प्रतिस्पर्धा में यदि आगे निकलना है तो विश्लेषण भली-भांति कर लें।

कुम्भ

व्यापार को लेकर आपके पार्टनर से नबन हो सकती है, बेहतर होगा अपनी वाणी पर कंट्रोल रखें। लवमेट वालों का आज रिश्ता तय हो सकता है। जिससे घर में खुशियों का माहौल बना रहेगा।

मीन

हनुमान चालीसा का पाठ करने से आपको मन की शांति मिलेगा। लव लाइफ के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आप किसी को प्रपोज करना चाह रहे हैं तो कर सकते हैं।

शाहरुख की पठान की रिलीज डेट तय

लंबे इंतजार के बाद सुपरस्टार शाहरुख खान की फिल्म पठान की रिलीज डेट सामने आ गई है। फैंस को कब से इस पल का इंतजार था जब उनके प्रिय सितारे की फिल्म को लेकर खबर आए। यशराज फिल्म्स ने एक टीजर वीडियो जारी करते हुए पठान के आने की जानकारी दी है। वीडियो में बताया गया है कि शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम स्टारर पठान कब रिलीज होगी। वीडियो में जॉन अब्राहम और दीपिका पादुकोण की झलक सामने आती है। पहले जॉन कहते हैं हमारे देश में हम नाम रखते हैं धर्म या जाति से पर उसके पास इनमें से कुछ नहीं था। उसके बाद दीपिका

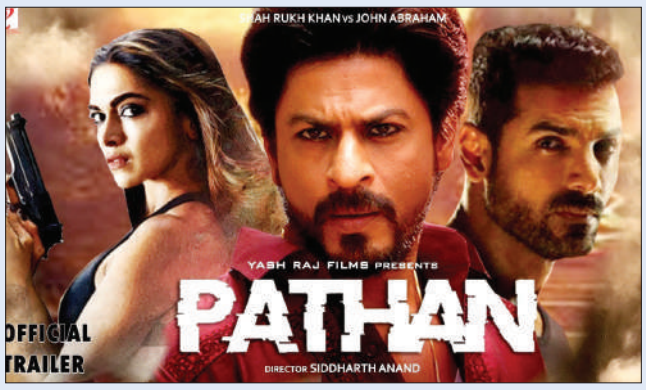

पादुकोण की झलक आती है और कहती हैं कि यहां तक उसके पास कोई नाम रखने वाला भी नहीं था, अगर कुछ था तो यही एक देश- इंडिया। इसके बाद शाहरुख की आवाज आती है- तो उसने अपने देश को ही अपना धर्म मान लिया और देश की रक्षा को अपना कर्म। जिनका नाम नहीं होता, उनका नामकरण उनके साथी कर देते हैं। ये नाम क्यों रखा गया, कैसे रखा गया इसके लिए कुछ इंतजार... इस बैकग्राउंड में शाहरुख खान चलते नजर आ रहे हैं। उनकी पूरी झलक अभी आना बाकी है। इसके बाद सामने आती है रिलीज डेट। यह फिल्म 25 जनवरी 2023 को रिलीज होगी। बॉलीवुड के बादशाह कहे जाने वाले एक्टर शाहरुख खान लंबे समय से पर्दे पर नजर नहीं आ रहे हैं और अब फैंस का ये इंतजार खत्म होने जा रहा है। शाहरुख खान अपने प्रोजेक्ट्स को पूरा करने में लग गए हैं। दो साल से शाहरुख खान किसी प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं बने हैं और फैंस को उनकी वापसी का बेसब्री से इंतजार है। आखिरी बार शाहरुख खान निर्देशक आनंद एल राय की फिल्म जीरो में नजर आए थे।

मिर्जापुर की डिम्पी हुई बोल्ड

बॉलीवुड | मसाला

अमेजन प्राइम वीडियो की सुपरहिट वेब सीरीज मिर्जापुर को खूब पसंद किया गया। इस सीरीज में नजर आया हर किरदार अपने आप में बहुत खास और दिलचस्प था। इसी शो डिम्पी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस हर्षिता गौर भी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं रह गई हैं।

सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं हर्षिता

हर्षिता अपने चहाने वालों के साथ जुड़े रहने के लिए सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। वह आए दिन अपनी तस्वीरें शेयर कर फैंस से रूबरू होती रहती हैं। वैसे, वेब सीरीज मिर्जापुर में डिम्पी पंडित का रोल निभाने वाली हर्षिता रियल लाइफ में काफी बोल्ड हैं। पिछले कुछ समय से उनकी बोल्ड तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर कोहराम मचा दिया है अब एक बार फिर से वह चर्चा में हैं। हर्षिता ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पेज पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह व्हाइट आउटफिट पहने नजर आ रही हैं। हालांकि लोगों की निगाहें उनकी बोल्डनेस पर टिकी रह गई है। खास बात ये है कि हॉटनेस दिखाने के लिए हर्षिता ने अपने श्रग को कंधे से थोड़ा सा खिसकाया हुआ है।

नो-मेकअप लुक में दिखीं हर्षिता

इन तस्वीरों में हर्षिता नो-मेकअप लुक में दिखाई दे रही हैं। अपने इस लुक को कंप्लीट करने के लिए उन्होंने बालों को खुला छोड़ा है। यहां हर्षिता किलर पोज देती बेहद बोल्ड लग रही है। यहां वह कैमरा की ओर देखते हुए पोज दे रही हैं। हर्षिता इस ड्रेस में काफी बोल्ड नजर आ रही हैं। फैंस उनके इस लुक पर फिदा हो गए हैं। कुछ ही देर में इस पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं। फैंस उनकी तारीफें करते नहीं थक रहे हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

शिल्पा शेट्टी ने शुरू की फिल्म सुखी की शूटिंग

शेरनी, छोरी और जलसा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए की गई सक्सेसफुल कोलैबोरेशन के बाद, टी-सीरीज और अबुंदतिया एंटरटेनमेंट एक बार फिर फिल्म सुखी के लिए एक साथ आ रहे हैं। इस फिल्म के साथ सोनल जोशी अपना डायरेक्शनल डेब्यू कर रही हैं। सुखी एक बहुत ही मनोरंजक, लाइट हार्टेड और स्लाइस ऑफ लाइफ फिल्म है। इस फिल्म की एक खास बात ये भी है कि अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी कुंद्रा इसमें अहम भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म की कास्ट एंड क्रू ने आज से पंजाब में फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है और एंटरटेनमेंट के फैंस निश्चित रूप से इस खुशमिजाज फिल्म का लुफ्त उठाएंगे। गुलशन कुमार और टी-सीरीज प्रस्तुत करते हैं अबुंदतिया एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन की फिल्म सुखी। इस फिल्म का निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विक्रम मल्होत्रा और शिखा शर्मा द्वारा किया जा रहा है। फिल्म अनाउंस करते हुए शिल्पा शेट्टी ने कहा थोड़ी बेधड़क सी हूं मैं, मेरी जिंदगी है खुली किताब। दुनिया बेशर्म कहती है तो क्या, किसी से कम नहीं हैं मेरे ख्वाब। मुझे ये बताते हुए बहुत एक्साइटमेंट हो रही है कि मैं एक नए प्रोजेक्ट में काम करने जा रही हूं। शिल्पा शेट्टी एक बार फिर से फिल्मों में हाथ आजमा रही हैं। टीवी की दुनिया में तो वे कई सारे टीवी शोज में जज के रोल में नजर आती हैं। इसके अलावा वे कुछ समय पहले ही कॉमेडी फिल्म हंगामा 2 में नजर आई थीं। साल 2021 शिल्पा के लिए उतार-चढ़ाव से भरा रहा।

तालाब में रहकर पूरा दिन काटती है ये महिला, वजह है अजीबो-गरीब

दुनिया के हर इंसान के शौक भी अलग-अलग होते हैं। ऐसे में कोई इंसान अगर पानी का इतना शौकीन हो जाए कि हर वक्त वो खुद को पानी के ही अंदर रखे तो आप इसे क्या कहेंगे। ऐसा ही कुछ हाल है पश्चिम बंगाल की एक महिला का जो दिन में 12 से 14 घंटे पानी के अंदर ही रहती है। यही नहीं वो सुबह होते ही किसी तालाब की तलाश में निकल जाती है और उसके बाद पूरे दिन पानी में खड़ी रहती है। मामला पश्चिम बंगाल के कटवा जिले के गोवई गांव का है। जहां 60 साल की एक महिला हर रोज पानी की अंदर कई घंटों तक खड़ी रहती है। महिला के घर वालों का कहना है कि पिछले बीस साल से वो रोज सुबह उठते ही तालाब या पानी वाली जगह खोजने के लिए निकल जाती है। रोजाना 12 से 14 घंटे पानी में रहती है। रोज सुबह सूरज उगने से पहले तालाब में उतर जाती है और शाम को सूरज डूबने के बाद वो घर वापस लौटती है। बता दें कि ये महिला गले तक खुद को पानी में डुबा लेती है और सारा दिन वहीं गुजारती है। तालाब में ही रहकर वह लोगों से बातें भी करती हैं और वहीं खाना भी खाती है। तालाब से बाहत तभी आती है जब वो घर जाती है। बताया जाता है कि इस महिला को एक अजीब बीमारी है जो उसे पिछले 20 साल से परेशान कर रही है। जिसकी वजह से उनकी त्वचा पर काफी जलन होती है। इस जलन से बचने के लिए ही वो रोज सुबह तालाब में जाकर बैठ जाती हैं। वहीं महिला की बेटी का कहना है कि बीस साल पहले उनकी तबियत खराब होने की वजह से धूप में आते ही उनकी त्वचा जलने लगती थी और उन्हें बहुत गर्मी लगने लगती थी। उसके बाद उन्हें तभी राहत मिलती थी जब वो पानी में उतर जाती थीं। इसीलिए वो हर रोज पानी में रहती हैं। बता दें कि ये महिला साल 1998 से ऐसा कर रही है। अब तो लोग ऐसा समझने लगे हैं कि तालाब में ही इस महिला की आत्मा बस गई है क्योंकि उसका पूरा दिन तालाब में ही बीतता है।

अजब-गजब | ये शासक भारत को करना चाहता था तबाह

इस क्रूर शासक ने लोगों को जिंदा दीवार में चुनवाकर बनवाई थी मीनार

दुनिया का ज्यादातर देशों में अब लोकतंत्र है यानी लोगों द्वारा वोट डालकर चुनी गई सरकार जो लोगों को हित में काम करती है। लेकिन कुछ सदी पहले ऐसा नहीं था। दुनियाभर के देशों में राजा-महाराजा राज किया करते थे और जनता उनके लिए सिर्फ दास या दासी ही होती थी। इनमें से कुछ राजा तो बहुत अच्छे होते थे जनता की भलाई के काम करते थे लेकिन कई ऐसे क्रूर थे जो इंसानों के साथ जानवरों से भी बदतर बर्ताव किया करते थे। आज हम आपको एक ऐसे ही क्रूर शासक के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें शासक नहीं, बल्कि शांति और इंसानियत का दुश्मन कहा जाता है।

दरअसल, हम बात कर रहे हैं चौदहवीं शताब्दी के शासक तैमूर लंग के बारे में। जो 1369 ईस्वी में समरकंद के अमीर के रूप में अपने पिता के सिंहासन पर बैठा था। उसके बाद वह पूरी दुनिया को फतह करने के निकल पड़ा। उसने कई देशों को जीत लिया और उसके बाद 1398 ईस्वी में तैमूर ने भारत पर आक्रमण कर दिया। वह दिल्ली तक पहुंच गया। इतिहास की मानें, तो वह दिल्ली में केवल 15 दिनों तक रुका था। सैनिकों के साथ उसने जमकर लूटपाट की और सारा माल लेकर अपने वतन वापस लौट गया।

भारत पहले से ही अपनी समृद्धि और वैभव के लिए दुनिया भर में लोकप्रिय था। इस वजह से यह देश हमेशा आक्रमणकारियों के निशाने पर रहा। तैमूर लंग ने भी भारत के बारे में बहुत कुछ सुन रखा था। इसलिए वह यहां की दौलत लूटने के लिए उसने आक्रमण की योजना बनाई थी। भारत में तैमूर लंग ने दौलत तो काफी लूटी लेकिन साथ ही अंत में जब वह दिल्ली से वापस समरकंद के लिए रवाना हो रहा था, तो जाते-जाते अनेक जवान और बंदी बनाई गई औरतों और शिल्पियों को भी अपने साथ ले गया। बताया जाता है कि तैमूर लंग ने चंगेज खां की पद्धति को अपना रखा था, लेकिन क्रूरता और निष्ठुरता के मामले में वो चंगेज खां से भी एक कदम आगे था। इतिहास में तैमूर लंग को एक खूनी योद्धा की संज्ञा दी गई है। तैमूर जब भी जंग के लिए मैदान में उतरता, लाशों का ढेर लगा देता था। कहते हैं, एक जगह उसने दो हजार जिंदा आदमियों की एक मीनार बनवाई और उन्हें ईंट और गारे में चुनवा दिया। बता दें कि तैमूर लंग का नाम पहले केवल तैमूर था। नाम के पीछे लंग जुड़ने की कहानी उसके जीवन की एक महत्वपूर्ण घटना है। ऐतिहासिक तथ्यों के मुताबिक युवावस्था में तैमूर के शरीर का दाहिना हिस्सा बुरी तरह घायल हो गया था। इतिहासकारों की मानें तो तैमूर की यह हालत एक हादसे के कारण हुई थी। तैमूर भाड़े के मजदूर के तौर पर खुरासान की खानों में काम करता था। इसी खान में एक हादसे के दौरान वह जख्मी हो गया। तैमूर को लेकर अलग-अलग इतिहासकारों की राय भी अलग-अलग है। सीरियाई इतिहासकार इब्ने अरब शाह का कहना है कि एक भेड़ चराने वाले चरवाहे ने भेड़ चुराते हुए तैमूर को अपने तीर से घायल कर दिया था। चरवाहे का एक तीर तैमूर के कंधे पर लगा था और दूसरा तीर कूल्हे पर। तभी से वह लंगड़ाने लगा और उसका नाम तैमूर लंग पड़ गया।

जनता वोट की चोट से देगी भाजपा को जवाब : डिंपल

» संघमित्रा का वीडियो शेयर कर अखिलेश की पत्नी ने भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कुशीनगर में चुनाव प्रचार के अंतिम दिन यानी कल फाजिलनगर विधानसभा सीट से सपा प्रत्याशी पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्या के रोड शो के दौरान भाजपा और सपा कार्यकर्ताओं के बीच बवाल के बाद यूपी की राजनीति गर्म हो गई है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के बाद उनकी पत्नी डिंपल यादव ने भी भाजपा पर निशाना साधा है।

उन्होंने कहा कि बेटियों की अस्मिता पर हुए वार का जनता अपने वोट के चोट से देगी जवाब। उन्होंने कहा भाजपा सिर्फ जनता को गुमराह कर रही है, मगर इस चुनाव में किसान, नौजवान व कर्मचारी बहकावे में नहीं आएंगे। ये सभी लोग भाजपा को हराकर ही दम लेंगे। सपा प्रत्याशी स्वामी प्रसाद कुशीनगर के फाजिलनगर विधानसभा सीट पर रोड शो कर रहे थे। इस दौरान उनके काफिले पर हमला किया गया, जिसको लेकर उनकी बेटी व बदायूं से भाजपा सांसद डा. संघमित्रा मौर्य बीजेपी प्रत्याशी पर भड़क गईं। भाजपा सांसद के इस वीडियो को सपा नेता डिंपल यादव ने शेयर कर भाजपा पर निशाना साधा हैं। सपा नेता डिंपल यादव ने अपने ट्वीट में लिखा कि स्वामी प्रसाद पर भाजपा के गुंडों द्वारा सत्ता के संरक्षण में योजनाबद्ध तरीके से हमले के बाद उनकी बेटी एवं बीजेपी सांसद संघमित्रा पर भी भाजपाइयों द्वारा हार की हताशा में प्रहार दमन की पराकाष्ठा है। बेटियों की अस्मिता पर हुए वार का जनता अपने वोट से देगी जवाब।

दुनिया की सबसे झूठी पार्टी है भाजपा

डिंपल यादव ने अखिलेश की बात का समर्थन करते हुए कहा भाजपा कहने को तो कहती है कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। लेकिन अगर इनके नेताओं के भाषण सुनेंगे तो ये दुनिया में सबसे झूठी पार्टी है। जो लोग कह रहे हैं कि 24 घंटे बिजली दे रहे हैं ये 24 घंटे बिजली तभी दे रहे हैं जब समाजवादियों ने बिजली के कारखाने लगाए थे। सपा सरकार आने पर जनता को 300 यूनिट मुफ्त बिजली मिलेगी। साथ ही किसानों की सिंचाई भी मुफ्त होगी। महिलाओं व बहनों को घर चलाने के लिए सहायता स्वरूप आर्थिक मदद भी की जाएगी।

लोकतंत्र को कुचलने और उत्पीड़न करने का कार्य कर रही योगी सरकार : मौर्या

» बदले की भावना से हमें दिलवाया गया नोटिस, देंगे जवाब

» सांसद बेटी और बेटे पर पुलिस पहले ही कर चुकी है कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। कुशीनगर में सपा-भाजपा कार्यकर्ताओं में पथराव व मारपीट के मामले में मुकदमा दर्ज होने के बाद रिटर्निंग अफसर (आरओ) अतुल कुमार ने सपा प्रत्याशी स्वामी प्रसाद मौर्य को बिना अनुमति रोड शो निकालने पर नोटिस दिया। उनसे 72 घंटे में जवाब मांगा है कि आचार संहिता का उल्लंघन क्यों किया गया। जवाब मिलने के बाद अगली कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने बताया कि घटना के बाद घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी ली गई थी। दोनों पक्षों की ओर से तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया। इन सारे तथ्यों व प्रत्याशी को नोटिस दिए जाने की जानकारी चुनाव प्रेक्षक को दे दी गई है। प्रत्याशी के जवाब और प्रकाश में आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस बीच स्वामी प्रसाद मौर्या सीएम योगी के खिलाफ खुलकर सामने आ गए। उन्होंने कहा कि योगी सरकार लोकतंत्र को कुचलने और उत्पीड़न करने का कार्य कर रही है। बदले की भावना से हमें नोटिस दिलवाया गया। हमले के बाद मैं प्रचार नहीं कर पाया, रोड शो निकालना जुर्म नहीं है। उन्होंने कहा कि मेरे पुत्र अशोक मौर्य को अनावश्यक थाने में बिठाकर मानसिक उत्पीड़न करने और मेरे चुनाव प्रभावित करने का कार्य किया जा रहा है। गांव भ्रमण और पैसा बांटने का आरोप लगाना सत्ता पक्ष की ही साजिश है। समाजवादी पार्टी ने कुशीनगर में बीते मंगलवार को स्वामी प्रसाद मौर्या के काफिले पर हमले का आरोप लगाया था। इसके बाद भाजपा व सपा के कार्यकर्ता आमने सामने आ गए थे। बवाल होने के बाद भाजपा सांसद व स्वामी प्रसाद मौर्या की पुत्री संघमित्रा खुलकर अपने पिता के पक्ष में आ गई थीं। इसके बाद देर रात संघमित्रा समेत करीब दो दर्जन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। दोनों पक्ष एक दूसरे पर आरोप लगाकर बीते तीन दिन से आमने-सामने हैं।

बेटे को भी लिया हिरासत में

कल रात स्वामी प्रसाद के बेटे अशोक मौर्य को भी पुलिस ने हिरासत में लिया। आरोप है कि गैर जिले के निवासी होने के बावजूद वे फाजिलनगर विधानसभा क्षेत्र में वाहनों के साथ घूम रहे थे। पैसा बांटने का भी आरोप लगाया जा रहा है। आरोप है कि अशोक अपने कुछ सहयोगियों व समर्थकों के साथ फाजिलनगर विधानसभा के गांव दुदही में घूम रहे थे। लोगों से मिलकर बातचीत कर रहे थे। इसकी शिकायत किसी ने की तो स्टेटिक टीम व पुलिस ने छापामारी कर उनको पकड़ा। कुशीनगर के एसपी सचिन्द्र पटेल व जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने बताया शाम को ऐसी शिकायत मिली थी कि प्रत्याशी के पुत्र द्वारा प्रचार किया जा रहा है और पैसा बांटा जा रहा है। इस आधार पर कार्रवाई की गई।

गलत संदेशों के लिए व्हाट्सएप ग्रुप का एडमिन भी जिम्मेदार : हाईकोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आईटी एक्ट के तहत व्हाट्सएप ग्रुप के एडमिन के खिलाफ दर्ज आपराधिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप से इनकार करते हुए याचिका खारिज कर दी। एडमिन के ग्रुप में एक सदस्य ने प्रधानमंत्री मोदी का रूपांतरित फोटो डाल दिया था। इसे लेकर आईटी एक्ट की धारा-66 के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई थी। इसे चुनौती देते हुए याची ग्रुप एडमिन ने हाईकोर्ट में इस आपराधिक प्रक्रिया को रद्द करने की मांग की थी।

मोहम्मद इमरान मलिक की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश हाईकोर्ट ने दिया है। याची का तर्क था कि वह ग्रुप एडमिन है। उसने प्रधानमंत्री का रूपांतरित फोटो ग्रुप में नहीं डाला है। यह फोटो ग्रुप के एक सदस्य निजाम आलम ने डाला है। वह ग्रुप के सदस्य के कृत्य के लिए दोषी नहीं हो सकता है। लिहाजा उसके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द किया जाए। सरकारी अधिवक्ता ने कहा कि याची ग्रुप एडमिन है। वह अपराध में बराबर का भागीदार है। कोर्ट ने कहा कि याची ग्रुप एडमिन है। वह भी गलत संदेश के लिए जिम्मेदार है। कोर्ट इस आधार पर याचिका खारिज कर दी।

भाजपा प्रत्याशी दयाशंकर सिंह के काफिले पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बलिया जिले की नगर विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह के काफिले पर दुबहर थाना इलाके के आखार में रात लगभग 12:30 बजे हमला हुआ। हमले में उनके साथ चल रहे भाजपा नेता टुनजी पाठक का वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। सुरक्षाकर्मियों के मोर्चा संभालने पर हमला करने वाले भाग निकले। इस दौरान लखनऊ में पंजीकृत एक वाहन और उसके ड्राइवर को पकड़ लिया गया।

पकड़ा गया वाहन नगर विधानसभा से सपा से चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी नारद राय के काफिले का है और लखनऊ में पंजीकृत है। दयाशंकर सिंह ने आरोप लगाया कि जिस तरीके से कृष्णानंद राय की हत्या की गई। उसी तरीके से मेरी हत्या करने की साजिश रची गई है। मेरे साथ वाई श्रेणी की सुरक्षा है और निजी सुरक्षा गार्ड भी हैं। इस कारण से हमलावर भाग गए, जिसका वाहन है उसके संबंध मुख्तार से हैं। इस साजिश के पीछे मुख्तार अंसारी हो सकते हैं।

गोवा व उत्तराखंड में सरकार बनाने के सपने देखना बंद करें कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पणजी। गोवा विधानसभा चुनाव में इस बार 78 फीसदी से ज्यादा मतदान हुआ है। विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने गोवा में अपनी सरकार बनाने का दावा किया है। वहीं सत्ताधारी भाजपा ने कांग्रेस के दावे को लेकर तंज कसा है। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस को दिन में सपने देखना बंद कर देना चाहिए।

गोवा भाजपा अध्यक्ष सदानंद शेत तनावडे ने एक बयान में कहा कि कांग्रेस को सपने देखना बंद कर देना चाहिए। उनके बयानों से सत्ता का लालच साफ झलकता है। जैसा कि मैंने पहले भी कहा था कि भारी मतदान से पता चलता है कि लोगों ने भाजपा को वोट दिया है। हमारी जीत और कांग्रेस की हार 10 मार्च को साफ हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तराखंड में भी कांग्रेस सरकार बनती बनती रह जाएगी, सरकार हमारी यानी भाजपा की बनेगी। जनता जानती है राज्य ही नहीं, देश का विकास सिर्फ भाजपा ही कर सकती है। पीएम मोदी के मार्गदर्शन में देश का सम्मान बढ़ा है। वहीं कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भाजपा एक अंक में सिमट जाएगी। कांग्रेस को अपनी जीत का सपना देखने का अधिकार है। हम जीत की ओर बढ़ेंगे और सरकार बनाएंगे। हमें अपने लोगों पर पूरा भरोसा है। हम जानते हैं कि हमारे मतदाताओं ने विकास के लिए वोट दिया है जो सिर्फ कांग्रेस ही कर सकती है।

सीएम योगी अपनी सीट पर खुद उलझे!

पिता के प्रति सांसद संघमित्रा के मुखर होने से होगा बीजेपी को नुकसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। छठवें चरण में का बा। दस मार्च को आएगा ऐ बा। लड़ाई जो बड़े दिग्गजों की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस बार गोरखपुर शहर से चुनाव लड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री के सम्मान की लड़ाई हैं। स्वामी प्रसाद मौर्या पर भी सबकी नजर है। सभी सियासी दलों की निगाहें अब पूर्वांचल पर टिकी हुई हैं। यहीं से सरकार बननी है इसलिए जनता तैयार है शायद बदलाव के लिए। ये बातें निकलकर आई वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, राजेश बादल, अरविंद कुमार सिंह, सबा नकवी, डॉ. प्रीति चौधरी और अभिषेक कुमार के साथ एक लंबी परिचर्चा में।

अशोक वानखेड़े ने कहा पूर्वांचल बसपा का गढ़ रहा है। स्वामी प्रसाद साथ थे वो छूट गए है। यहां का ब्राह्मण अलग है। गोरखपुर में ब्राह्मण और ठाकुर के बीच की राजनीति पूरे पूर्वांचल में छाई हुई है। पिछली बार बीजेपी ने जो नया समीकरण बनाया था वो इन चुनाव में बिखरता नजर आ रहा है। बीजेपी में आंतरिक द्वंद नजर आता है। गोरखपुर में योगी खुद फंसे हुए है। स्वामी प्रसाद पर हमले होने के बाद उनकी बेटी ने संघमित्रा जिस प्रकार से मुखर हो के पिता के समर्थन में आई है उससे बीजेपी को नुकसान होगा। राजेश बादल ने कहा गोरखपुर में सपा का हरिशंकर तिवारी के साथ जो गठजोड़ हुआ है उसने गोरखपुर के समीकरणों को उलट-पलट कर दिया। तिवारी फैक्टर की वहज से ब्राह्मण मतों में बंटवारा हो गया। इसका खामियाजा बीजेपी को हो रहा है। गोरखपुर की सीटें उलझी हुई है। सबा नकवी ने कहा पूर्वांचल में कांटे की लड़ाई है। माहौल हर जगह लग रहा है सपा गठबंधन का, लेकिन कई जगह सबसे गरीब तबका बोल नहीं रहा जिसका हिसाब नहीं लग पा रहा है। डॉ. प्रीति चौधरी ने कहा कि पूर्वांचल में त्रिकोणीय मुकाबला नहीं है। बहुत जगह सपा और भाजपा के बीच सीधी टक्कर नजर आ रही है। परिचर्चा में अरविंद कुमार सिंह ने भी विचार रखे।

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

कबीर मठ के जरिए दलितों को साधने की प्रियंका की रणनीति

» कांग्रेस महासचिव बोलीं- कबीरदास की स्मृतियों को यहां के लोगों से साझा करने की जरूरत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वाराणसी में भारतीय कला जगत की मशहूर हस्तियों एवं पद्म पुरस्कार विजेताओं के घर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी आज पहुंची। प्रसिद्ध तबला वादक पंडित किशन महाराज, कथक साम्राज्ञी सितारा देवी एवं प्रसिद्ध संगीतकार पंडित बूंदी महाराज के घर जाकर प्रियंका गांधी ने शीश नवाया। साथ ही कबीर चौरा मठ में कबीरदास की मूलगादी में दर्शन किए। इस दौरान यहां के महंत ने उनसे कबीरदास की स्मृतियों को साझा किया।

इस पर कांग्रेस महासचिव ने कबीरदास की स्मृतियों को साझा करने की जरूरत बताई और भविष्य में यहां के लिए मदद देने की बात कही। पीएम मोदी के पहुंचने से पहले ही बीजेपी को चुनौती देने के लिए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी काशी में हैं। यूपी के अंतिम चरण के चुनाव प्रचार खत्म होने तक प्रियंका गांधी काशी में रहकर कांग्रेस के चुनावी प्रचार को धार देने का काम करेंगी। इसके लिए उन्होंने वाराणसी के ऐतिहासिक कबीर मठ में डेरा डाल रखा है, जहां से वो काशी ही नहीं, बल्कि पूर्वांचल को सियासी संदेश देने का दांव चला है। कबीर चौरा मठ को अपना ठिकाना बनाकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाराणसी और आसपास के जिलों की सीटों पर चुनाव प्रचार करेंगी। प्रियंका गांधी वाराणसी के रोहनिया क्षेत्र में रैली करने के लिए रवाना हुई हैं। सूत्र बताते हैं कि प्रियंका ने कबीर मठ के जरिए पूर्वांचल के दलित और पिछड़े वोटों का साधने की रणनीति बनाई है। बता दें कि संत कबीर दास सामाजिक न्याय और समानता के संदेश दलित एवं अति पिछड़ा वर्ग बहुत जुड़ाव रखता है। सातवें चरण के जहां पर चुनाव है, वहां पर पिछड़ी व दलितों की संख्या अच्छी-खासी है।

अजय कुमार लल्लू के कार्यालय पर लगा ताला

» क्षेत्र से गायब हैं यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव के छठे चरण का मतदान जारी है। इस चुनाव में कई बड़े नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई है। इनमें से एक यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू का भी नाम है, जिनके भाग्य का फैसला आज ईवीएम में कैद हो जाएगा। मगर खबर है कि वोटिंग से पहले ही उनके कार्यालय पर ताला लग गया है।

बताया जा रहा है कि दो दिन पहले से ही अजय कुमार लल्लू ने कार्यालय छोड़ दिया था। अब तक लल्लू ने मतदान नहीं किया है। दोपहर बाद उनके मतदान की खबरें हैं। अजय लल्लू लगातार दो बार साल 2012 और साल 2017 में तमकुहीराज से विधायक हैं। इससे पहले कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने उनके लिए जनसभा की थी। जिसके बाद वो उनके साथ मोटरसाइकिल पर बैठकर सेवरही कस्बे में भी घूमी थीं। वह फोटो व वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई। वहीं अजय लल्लू ने भी दावा किया था कि इस बार वो हैट्रिक लगाने के लिए लड़ रहे हैं और जीत भी हासिल करेंगे। छठे चरण के चुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, स्वामी प्रसाद मौर्य, चंद्रशेखर आजाद समेत कई दिग्गज चुनाव मैदान में हैं। इस चरण में कुल 676 प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में बंद हो जाएगा।

पुतिन को युद्ध रोकने का नहीं दे सकते निर्देश: सुप्रीम कोर्ट

» यूक्रेन में फंसे भारतीयों से जुड़ी याचिका पर हुई सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन के बीच लड़ाई अब भी जारी है और आज युद्ध का आठवां दिन हो गया है। यूक्रेन के युद्धग्रस्त इलाकों से भारतीय छात्रों को निकालने के लिए भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे आपरेशन गंगा को भी लगातार कामयाबी मिल रही है। इस बीच कुछ दिनों पहले ही यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को निकालने के लिए भारत सरकार को निर्देश देने के लिए एक वकील ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

आज उस याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश रमन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि भारत सरकार भारतीयों को निकालने के लिए अपना काम कर रही है और वे इस पर कोई निर्देश नहीं दे सकते हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना ने सुनवाई के दौरान कहा कि हमें छात्रों के साथ सहानुभूति है, हमें बहुत बुरा लग रहा है। लेकिन उन्होंने कहा कि हम रूस के राष्ट्रपति पुतिन को युद्ध रोकने का निर्देश नहीं दे सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस बीच अटार्नी जनरल से रोमानिया सीमा के पास यूक्रेन में फंसे कुछ भारतीय मेडिकल छात्रों को निकालने में मदद करने के लिए राय मांगी है। पीठ ने कहा कि यूक्रेन में छात्रों के साथ उसकी सभी सहानुभूति है और भारत सरकार अपना काम कर रही है।

लखनऊ में महिला से सरेआम अभद्रता हिरासत में आरोपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोमतीनगर विस्तार थाने क्षेत्र में दो युवकों ने महिला को रास्ते में रोक कर अश्लीलता की। महिला की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। प्रारंभिक जांच में पुराने विवाद की बात सामने आई है।

खरगापुर निवासी महिला का आरोप है कि क्षेत्र के सुनील कई दिनों से उसको परेशान कर रहा था। देर रात एक शादी में शामिल होकर लौटते वक्त सुनील के कार चालक ने रोक लिया। विरोध पर अश्लीलता शुरू कर दी। मारपीट की। गोमतीनगर विस्तार इंस्पेक्टर के मुताबिक महिला की तहरीर पर सुनील पाण्डेय और उसके ड्राइवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। महिला से मारपीट के मामले में आरोपी सुनील को गिरफ्तार कर लिया गया है।

महाराष्ट्र विधानसभा सत्र: राज्यपाल कोश्यारी ने बीच में ही छोड़ा भाषण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने विधानसभा सत्र के पहले दिन अपना भाषण बीच में ही छोड़ दिया, क्योंकि महा विकास अघाड़ी के विधायक सदन में नारे लगा रहे थे। गौरतलब है कि राज्यपाल कोश्यारी ने हाल ही में छत्रपति शिवाजी महाराज पर विवादास्पद बयान दिया था। बता दें कि अभिभाषण की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण के साथ की जाती है। लेकिन कोशयारी ने भाषण को कुछ मिनटों में रोक दिया। क्योंकि जैसे ही राज्यपाल अभिभाषण के लिए सदन में आये सत्ता पक्ष के नेताओं ने 'छत्रपति शिवाजी महाराज की जय' के नारे लगाने शुरू कर दिए। 22 सेकेंड के बाद ही राज्यपाल को अपना भाषण रोकना पड़ा।

मतगणना में बीजेपी कर सकती है बेईमानी: राकेश टिकैत

» नौ तारीख को ट्रैक्टर लेकर निकले जनता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कल छठवें चरण का मतदान होना है, लेकिन उससे पहले ही मतगणना में गड़बड़ी होने की आशंका जताई जाने लगी है। यह आशंका भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) प्रवक्ता राकेश टिकैत ने जाहिर की है। बागपत में राकेश टिकैत ने कहा कि चुनाव मतगणना में गड़बड़ी हो सकती है।

बीकेयू के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि नौ तारीख को मतगणना स्थल पर ट्रैक्टर लेकर जनता पहुंचे और अपने मतों की रक्षा करे। उन्होंने कहा कि जनता विरोध में है और इनका काफी नुकसान हो रहा है। यूक्रेन और रूस युद्ध पर बोलते हुए राकेश टिकैत ने कहा कि सरकार युद्ध में भी वोट तलाश कर रही है, ऑपरेशन गंगा का नाम देकर सरकार युद्ध में भी वोट तलाश कर रही है। गौरतलब है कि राकेश टिकैत बुधवार को बागपत के बड़ौत में पहुंचे थे, जहां उन्होंने मतगणना से पहले बड़ा बयान दिया और मतगणना में गड़बड़ी की आशंका जाहिर की थी। राकेश टिकैत ने जनता से अपने वोटों की सुरक्षा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बीजेपी का जनता में विरोध है और चुनाव में उनको नुकसान हो रहा है, इस कारण यह लोग बेईमानी करेंगे। इसको रोकने के लिए जनता को 9 तारीख को ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर मतगणना स्थल पहुंचना है। साथ ही टिकैत ने यूक्रेन युद्ध से भारतीय बच्चों को निकालने को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।